

The Tribune

हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, गुजराती, मराठी, तमिळ, कन्नड, मलयालम, उर्दू, सिंधी, नेपाली, बांग्लादेशी, फारसी, अरबी, इत्यादी



समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	2-10-26	2	2-4



CM Nayab Singh Saini at an exhibition organised by HAU in Hisar on Thursday. TRIBUNE PHOTO

Climate change calls for new cotton varieties, says CM Saini

Pitches for practices that deliver more with less water

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, OCTOBER 1

Calling for the development of climate-resilient cotton varieties and improved agricultural technologies, Chief Minister Nayab Singh Saini on Thursday said changing weather patterns and rising pest pressure were creating new challenges for cotton cultivation in Haryana.

He said agriculture practices that deliver higher production with less water and fewer resources must be promoted to address the growing pressure on natural resources. Sustainable cotton production, crop diversification and water conservation, he said, were essential for ensuring a secure agricultural system for future generations.

The Chief Minister was addressing farmers, agricul-

tural scientists and experts after inaugurating a two-day Agriculture Fair (Rabi) at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU). He also visited the exhibition showcasing improved seeds, farm machinery, agricultural technologies and other products.

Saini said cotton was an important cash crop supporting lakhs of farming families in Sirsa, Fatehabad, Hisar and adjoining areas. He praised HAU and the Cotton Research Centre, Sirsa, for their work on developing improved varieties, quality seeds and scientific crop management practices.

He said 257 Cotton Farmers' Field Schools had been organised to educate farmers about identifying and managing pests from sowing to picking. More than 7,000 farmers had

been sensitised through these programmes, while 167 farmer fairs had focused on increasing returns through low-cost cotton production.

Emphasising crop diversification, Saini said Haryana had made a major contribution to the country's food security but needed to protect its groundwater resources. Continuous cultivation of water-intensive wheat and paddy also affected soil health, he said, urging farmers to adopt pulses, oilseeds and other crops requiring less water.

Under the Mera Pani-Meri Virasat scheme, farmers opting for alternative crops or leaving their fields fallow are provided financial assistance of Rs 8,000 per acre. So far, Rs 166.34 crore has been provided to 1.59 lakh farmers for replacing paddy with alternative crops on 2.34 lakh acres.



समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	2.10.26	2	3-6

देश का नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

एचएयू कृषि मेला • जल बचाने के लिए दलहन-तिलहन की खेती अपनाने की अपील एचएयू ने डीजल से चलित कपास चुगाई मशीन बनाई, 45 मिनट में एक एकड़ में काम करेगी

यशपाल सिंह | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के वैज्ञानिकों ने कपास की चुगाई के लिए 3 नई मशीनें तैयार की हैं। अब तक कपास की चुगाई हाथों से करनी पड़ती थी, किसानों को लेबर की किल्लत व अधिक खर्च का सामना करना पड़ता था। एचएयू के कपास अनुभाग और कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से यह मशीनें तैयार की गई हैं। एचएयू में शुरू हुए दो दिवसीय कृषि मेला के शुभारंभ में इनका डेमो सीएम नायब सैनी के समक्ष दिया गया।

इनमें एक बड़ी व दो हस्तचालित छोटी मशीनें हैं। बड़ी मशीन मैकेनाइज्ड कंबाइन की तरह है, जो डीजल से चलती है। यह 45 मिनट में 1 एकड़ में 10 क्विंटल कपास की चुगाई करती है। 7 से 10% तक पत्ते या कचरा आ सकता है। जब खेत में मशीन चलेगी, तो वैक्यूम के माध्यम से रुई तेजी से खींचकर मशीन के पीछे जुड़ी ट्रॉली में एकत्रित होगी। पौधे के रेशे व लकड़ियां कटकर मशीन के निचले हिस्से में अलग जाएंगे। सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और आसपास के जिलों में कपास एक प्रमुख नकदी फसल है। एचएयू हिसार के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि लेबर की कमी से जूझ रहे किसानों के लिए ये मशीनें बेहद मददगार साबित होंगी, लागत को घटाएंगी। मेले की थीम सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण व जल संसाधनों का संरक्षण था। सीएम ने कहा कि गेहूँ व धान उगाने से पानी की खपत ज्यादा होती है, जबकि दुनिया जल संकट का सामना कर रही है। इसलिए हमें दलहन, तिलहन व कम पानी से उगने वाली फसलों को अपनाना होगा।



सीएम ने चुगाई मशीन का अवलोकन किया।

दो हस्तचालित मशीनें बैटरी से चलेंगी

छोटे व मध्यम वर्गीय किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दो हस्तचालित छोटी मशीनें भी बनाई हैं, ये बैटरी से चलेंगी। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह ने बताया कि ये मशीनें किफायती और उपयोग में आसान होंगी। यह मशीनें सस्ती भी होंगी, जिससे आम किसान भी इनको खरीद सकेगा।

• **वैक्यूम आधारित हंडी मशीन:** इस मशीन को किसान मैनुअल पिकर की तरह सीधे हाथ में

पकड़ेंगे। यह वैक्यूम तकनीक से पौधे से कपास को खींचकर साथ जुड़े थैले में सुरक्षित रूप से एकत्रित करती जाएगी।

• **ट्रिपर आधारित हंडी मशीन:** यह मशीन शेविंग ट्रिपर की तर्ज पर काम करती है। इसे हाथ से संचालित किया जा सकता है। इसके निचले हिस्से में एक छोटा थैला लगा होता है, इसकी मदद से पौधे से कपास को तेजी से और सुगमता से थैले में एकत्र किया जा सकता है।



धरने पर बैठे सीईटी पास युवा।

सीएम ने 45 किसानों को सम्मानित किया

सीएम ने मेले में प्रदेशभर से आए 45 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इनमें 30 पुरुष व 15 महिला किसान शामिल रहें। करनाल से पलविंदर सिंह और देवेन्द्र सिंह, मण्डकोला से सुशील डागर और किशोर, सदलपुर से बलजीत यादव और प्रीति, भिवानी से राजकुमार तंवर और बिजेन्द्र सिंह, यमुनानगर से जसमींदर सिंह व अंजू रानी, पानीपत से बिजेन्द्र सिंह व नीलम, महेंद्रगढ़ से जयप्रकाश व संगीता, जींद से राममेहर व विरेन्द्र तथा कैथल से प्रदीप कुमार और प्रवीण कुमार, फरीदाबाद से शशांक त्यागी और सविता शर्मा, पंचकुला से तरनजीत सिंह बैदवान और अंबिका राणा, सोनीपत से जिले सिंह व सौभाग्यवती, कुरुक्षेत्र से संदीप चंहल और अनुराधा, छपेड़ा नूंह से प्रीति, फतेहाबाद से रणधीर सिंह और सुनिता, झज्जर से नीरज कुमार और सुशीला, अम्बाला से हरविन्द सिंह और अमरीता रानी, बावल से दिनेश कुमार और हनुमान, रोहतक से देवेन्द्र सिंह और प्रवीण, सिरसा से मोहन लाल और नीतू रानी, साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान से विनोद कुमार व मनीषा, हांसी से कुलवीर सिंह और राजकुमार पहल, चरखी दादरी से सतीश कुमार और सुरनजीत किसानों को सम्मानित किया गया।

राजगढ़ रोड पर जाम, 5 को किया नजरबंद

एचएयू में सीएम नायब सैनी के आगमन के दौरान 11 दिनों से लघु सचिवालय के बाहर धरने पर बैठे सीईटी पास युवाओं ने सीएम से मिलने मांग को लेकर राजगढ़ रोड को जाम कर दिया। करीब 4 घंटे राजगढ़ रोड पर ट्रैफिक डायवर्ट रखा गया। सीएम

के आगमन को लेकर सुखबी मंगाली छात्र नेता, एसएफआई प्रधान निखिल राजली, प्रवक्ता पंकज बगला, पार्षद प्रतिनिधि अनिल शर्मा, मनोज टाक आदि पांच को दिनभर घर में ही नजरबंद रखा गया, इन्हें सीएम के जाने के बाद शाम को छोड़ा गया।

दैनिक जागरण

हिसार, लोक सभका कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	2-10-26	5	2-5

सफेद सोने को एआइ का सहारा, आधी लागत में होगी कपास की चुगाई, 45 प्रगतिशील किसान सम्मानित

हफ्ते में मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय कृषि मेला व रबी- 2026 प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

जागरण संवाददाता • हिसार : हमारे यहां सफेद सोना कहे जाने वाले कपास की खेती कम हो रही और न ही बुआई हो रही। ये चिंताजनक है। इसलिए मैंने हरियाणा में पहली बार "एआइ काटन मास्टर" मशीन मंगवाई है। इसकी खास बात यह है कि ये कपास की चुगाई भी करती है। हाथ से कपास की चुगाई करने का खर्च 20 रुपये आता है, जबकि "एआइ काटन मास्टर" से चुगाई का खर्च 10 रुपये तक आता है।

गन्ने की बजाय हमारे किसान दूसरी फसलों की बुआई कर रहे हैं। जबकि अगर सही व दुरुस्त जानकारी हो तो गन्ना भी मालामाल कर सकता है। मैंने प्रदेश के सुगर मिलों को आदेश दिए हैं कि वे गन्ने की छिलाई करने वाली एडवांस मशीन मेले में भेजे, ताकि इसकी जानकारी किसानों को मिले। उपरोक्त बातें हरियाणा के मुख्यमंत्री नाथ सिंह सेनी ने कही। वे बीरवार को दो दिवसीय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के समीप दत्तपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल में आयोजित कृषि मेला (रबी)- 2026 प्रदर्शनी में बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। उनके संग कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा और लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) मंत्री रणबीर गंगवा मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए हम नई योजनाएं लाने जा रहे हैं। दो हजार एकड़ जमीन के कलस्टर हिस्से में जो किसान प्राकृतिक खेती करेगा, उसके खेत से होने वाली फसलों की खरीद का जिम्मा हैफेड का होगा। जबकि हम किसान को सब्सिडी देंगे। उसके बावजूद भी घाटा होता है तो भरपाई हरियाणा सरकार करेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में कृषि मेले में कपास कि स्टाल का अवलोकन करते मुख्यमंत्री नाथ सिंह सेनी, कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज व अन्य। • जागरण

पोर्टल लांच, पंजीकृत किसानों को प्राकृतिक खेती की मिलेगी ट्रेनिंग

सीएम नाथ सिंह सेनी ने बताया कि हमने प्रदेश स्तर पर नया पोर्टल लांच किया है। जिसमें पंजीकृत किसानों को हम प्राकृतिक खेती करने के टिप्स देंगे। उन्हें नवाचारों, प्रौद्योगिकियों, अनुसंधानों से रुबरु करवाएंगे। साथ ही नई विधियों से भी किसानों को अवगत कराएंगे। ताकि हरियाणा में किसान प्राकृतिक खेती की ओर बढ़े। पहली कड़ी में दो लाख किसानों को पोर्टल से जोड़ा भी जा चुका है।

दो हजार एकड़ जमीन के कलस्टर में प्राकृतिक खेती करने वालों की मौज, फसल खरीदने की जिम्मेदारी हैफेड की

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी: श्याम सिंह

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। राज्य सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने एवं



उनकी आय में बढ़ोतरी करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल विविधीकरण के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ तकनीक और सुविधाएं भी दें।

कृषि मेले में प्रदेशभर के 45 प्रगतिशील किसान जिन्हें सम्मानित किया

कृषि और उससे संबंधित विभिन्न व्यवसायों व अन्य उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदेश के 45 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में करनल से पलविंदर सिंह और देवेन्द्र सिंह शामिल हैं। पलवल के मण्डकोला से सुशील डामर और किशोर, सदलपुर से बलजीत यादव और प्रीति, भिवानी से राजकुमार तवर और बिजेन्द्र सिंह, यमुनानगर से जसमींदर सिंह और अंजु रानी, पानीपत से बिजेन्द्र सिंह और नीलम सम्मानित हुए। महेन्द्रगढ़ से जयप्राकाश और संगीता, जींद से राममेहर और विरेन्द्र तथा कैथल से प्रदीप कुमार और प्रवीण कुमार, फरीदाबाद से शशांक त्यागी और सविता शर्मा, पंचकुला से तरनजीत

सिंह बैदवान और अंबिका राणा, सोनीपत से जिले सिंह व सीभाग्यवती तथा कुरुक्षेत्र से संदीप चहल और अनुराधा को सम्मानित किया। छपेड़ा (नूंह) से प्रीति, फतेहाबाद से रणवीर सिंह और सुनिता, झज्जर से नीरज कुमार और सुशीला, अंबाला से हरविन्द सिंह और अमरीता रानी तथा बावल से दिनेश कुमार और हनुमान को सम्मानित किया। इसके अलावा रोहतक से देवेंद्र सिंह और प्रवीण, सिरसा से मोहन लाल और नीतु रानी, साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान (हिसार) से विनोद कुमार व मनीषा, हांसी से कुलवीर सिंह और राजकुमार पहल, चरखी दादरी से सतीश कुमार और सुरनजीत शामिल हैं।

इन क्षेत्रों में किया है महत्वपूर्ण कार्य

प्रगतिशील किसानों ने बीज उत्पादन, फसल विविधीकरण, जैविक खेती, पशुपालन, बैकरी उत्पादन, प्राकृतिक खेती, मधुमक्खी पालन, सब्जी उत्पादन, संसाधन संरक्षण, डेयरी फार्मिंग, बैग निर्माण, धान की सीधी बिजुई, फसल अवशेष प्रबंधन, एफपीओ, सब्जियों एवं फलों का मूल्य संवर्धन, क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	2-16-26	5	1-5

पंजाब केसरी

सतत कपास उत्पादन से फसल विविधीकरण और जल संसाधन संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा : नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने हिसार में कृषि मेले में कृषि प्रदर्शनी का किया अवलोकन, प्रदेशभर के 45 प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

हिसार, 1 अक्टूबर (राठी): मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए प्रदेश में ऐसी कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है जिनसे कम पानी और कम संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संसाधनों का संरक्षण आज की खेती की जरूरत ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित कृषि व्यवस्था का रोडमैप भी है।

मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय कृषि मेला (रबी) का शुभारंभ करने के बाद किसानों, कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टालों पर किसानों के लिए प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, कृषि यंत्रों एवं अन्य कृषि उत्पादों की जानकारी



मुख्यमंत्री नायब सैनी हक्वि में आयोजित कृषि मेले के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए, साथ हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक रणधीर पानिहार और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज।

ली। इस दौरान 45 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि कृषि मेला किसानों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान एवं तकनीक के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच है। यहां किसानों को उन्नत रबी बीज, आधुनिक कृषि तकनीक, मशीनरी, फसल प्रबंधन तथा कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध की जानकारी एक ही स्थान पर मिलती है। उन्होंने मेले में प्रदर्शित की गई कपास चुगाई की मशीन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मशीन एक घंटे में एक एकड़ की कपास चुगाई करती है और हाथ से चुगाई

के मुकाबले में इसमें समय भी आधा लगता है। आज कपास की खेती के सामने नई चुनौतियां भी हैं। मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है इसलिए हमें ऐसी कृषि तकनीक और ऐसी बीज किस्में पर तेजी से काम करना होगा जो बदलते मौसम और कीटों का बेहतर मुकाबला कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कपास की खेती के लिए ऐसे ही उपायों की जानकारी देने के लिए 257 कपास किसान खेत पाठशालाएं आयोजित की हैं। इनमें 7 हजार से अधिक किसानों को कपास के खेत पर ही कपास की बिजाई से लेकर

1.59 लाख किसानों को 166 करोड़ 34 लाख की वित्तीय सहायता दी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ऐसी फसलों को बढ़ावा देने के लिए मेरा पानी-मेरी विरासत योजना चलाई हुई है जिसके तहत वैकल्पिक फसलें लेने या खेत खाली छोड़ने वाले किसानों को 8 हजार रुपए प्रति एकड़ वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 2 लाख 34 हजार एकड़ में धान की जगह वैकल्पिक फसलें बोने पर 1 लाख 59 हजार किसानों को 166 करोड़ 34 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी है। हमने किसान के खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य की जांच करके 1 करोड़ 6 लाख सॉयल हेल्थ कार्ड जारी किए हैं। हमने प्रदेश में मिट्टी के नमूनों की जांच के लिए 17 नई मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न मंडियों में भी 54 नई लघु मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं खोली गई हैं। इसके अलावा स्कूलों व कालेजों में 240 लघु मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं।

डबल ईजन सरकार किसानों के साथ बीज से बाजार तक खड़ी

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हमारी डबल ईजन सरकार किसानों के साथ बीज से बाजार तक खड़ी है। हमने किसान हित में अनेक ठोस निर्णय लिए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने पर आभार व्यक्त किया और कहा कि आज प्रदेश में किसानों की सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक पोर्टल भी शुरू किया है जिस पर लगभग 2 लाख किसानों ने 3 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है। इसमें से अब तक 44 हजार एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए 23,930 किसानों का सत्यापन किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से कुरुक्षेत्र जिले में 2 हजार एकड़ के क्लस्टर पर स्मार्ट एग्रीकल्चर नाम से प्राकृतिक खेती शुरू की जाएगी। इसमें यदि किसानों को किसी प्रकार का नुकसान होगा तो उसकी भरपाई हरियाणा सरकार करेगी।

चुगाई तक हानिकारक कीटों की पहचान करके उनके उत्तम प्रबंधन हेतु अधिक पैदावार लेने के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि इस मेले के थीम का दूसरा

महत्वपूर्ण पहलू फसल विविधीकरण है। पानी है तो खेती है, गांव है और जीवन है। हमें दलहन, तिलहन और कम पानी से उगने वाली फसलों को अपनाना होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	2-10-26	1	2-8

एसटीपी के पानी का सिंचाई के लिए होगा इस्तेमाल : मुख्यमंत्री

एचएयू में आयोजित कृषि मेले में किसानों को जल संरक्षण का दिया संदेश, कम पानी में होने वाली तिलहन-दलहन की फसलें उगाने को किया प्रेरित

आई सिटी रिपोर्ट

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को एचएयू में शुरू हुए कृषि मेले में जल संरक्षण का संदेश देते कहा कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के शोधित पानी का इस्तेमाल सिंचाई में किया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे धान या गेहूं की जगह कम पानी में होने वाली तिलहन व दलहन की फसलें उगाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऐसी कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देना होगा जिनसे कम पानी और कम संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। एसटीपी के शोधित पानी का इस्तेमाल सिंचाई में किए जाने के लिए 27 योजनाएं तैयार की थीं जिनमें से 20 पूरी हो चुकी हैं।

इनसे सिंचाई के लिए स्थायी जल स्रोत मिलेगा, नहरों पर दबाव कम होगा और भूजल का दोहन भी घटेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ज्यादा पानी में होने वाली फसलों को छोड़ने और वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने के लिए मेरा पानी-मेरी विरासत योजना चलाई हुई है। इसके तहत वैकल्पिक फसलें लेने या खेत खाली छोड़ने वाले किसानों को आठ हजार रुपये प्रति एकड़ वित्तीय सहायता दी जाती है।



एचएयू में आयोजित कृषि मेले में किसानों को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व मंच पर मौजूद कृषि मंत्री व अन्य। संवाद

प्राकृतिक खेती के लिए 2 लाख किसानों ने करवाया पंजीकरण

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक पोर्टल शुरू किया है। इस पोर्टल पर लगभग 2 लाख किसानों ने 3 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है। इसमें से अब तक 44 हजार एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए 23 हजार 930 किसानों का सत्यापन किया जा चुका है।

मिट्टी, हवा-पानी खराब न हो : राणा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसान इस बात को प्राथमिकता दें कि खेत की मिट्टी, हवा और पानी खराब न हो। किसानों को आधुनिक तकनीकों का अधिक से अधिक लाभ उठाकर कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने के लिए आगे आना चाहिए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एचएयू बीटी-12 और एचएयू बीटी-13 कपास किस्मों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन किस्मों में बेहतर उत्पादन क्षमता है।

दीनदयाल जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का भी उद्घाटन किया। लगभग 9.94 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुए इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य किसानों को जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों, अनुसंधान और प्रशिक्षण से जोड़ना है। समारोह में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, नलवा विधायक रणधीर पनियाह, हिसार विधायक सावित्री चिंदल, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता आदि मौजूद रहे।



कृषि मेले में पांच रुपये प्रति पौधा बिक रहा गन्ने का बीज। अमर उजाला

बीज और पौधे खरीदने उमड़े किसान

मुख्य पंडाल के पास गमलों में कपास के सफेद फूल सजाए गए। धान, गेहूं, जौ, चना, मक्का, गन्ना और जई की उन्नत प्रजातियों के नमूने दिखाए गए। एचएयू, बीज विकास निगम और निजी कंपनियों ने प्रमाणित बीज बेचे। किसानों ने इनकी खरीदारी की। गन्ने का बीज पांच रुपये प्रति पौधा की दर से मिला। इसे ट्रिगुल्लर बिंधि से तैयार किया गया था। क्षेत्रीय चारा केंद्र के स्टाल पर प्रमाणित चारा बीज उपलब्ध रहा।

काले कपड़े पहनकर आए लोगों को नहीं होने दी एंट्री

मेले में काले कपड़े पहनकर आए लोगों को दाखिल नहीं होने दिया गया। उन्हें मेन एंट्री गेट से ही वापस भेज दिया गया और कहा गया कि कपड़े बदलकर आए। भिबानी से आए हर्ष व विवेक ने कहा कि इस बारे में विश्वविद्यालय प्रशासन को गाइडलाइन जारी करनी चाहिए थी।



समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

हरिभूमि

मुख्यमंत्री ने हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेले का शुभारंभ किया दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

कम पानी और संसाधनों में अधिक
उत्पादन वाली कृषि पद्धतियों को
बढ़ावा देने पर जोर : सीएम

हरिभूमि न्यूज ॥ हिंसार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में करीब 9.94 करोड़ रुपये की लागत से तैयार दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए कम पानी और कम संसाधनों में अधिक उत्पादन देने वाली कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित कृषि व्यवस्था का आधार हैं। मुख्यमंत्री हकृवि में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का शुभारंभ करने के बाद किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टालों पर प्रदर्शित उन्नत बीज, कृषि यंत्र, आधुनिक तकनीक और अन्य कृषि उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कृषि मेला किसानों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान एवं तकनीक के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच है। किसानों को यहां उन्नत रबी बीज, आधुनिक कृषि तकनीक, मशीनरी, फसल प्रबंधन और कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध की जानकारी एक ही स्थान पर मिलती है।



प्रदेशभर से आए 45 प्रगतिशील किसान सम्मानित

मुख्यमंत्री ने कृषि मेले में प्रदेशभर से आए 45 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इनमें प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन, मशरूम उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी फार्मिंग, मधुमक्खी पालन और केंचुआ खाद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 30 पुरुष और 15 महिला किसान शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने सभी को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किए।

श्रीमद् भागवत कथा जीवन को सही मार्ग दिखाने की पवित्र यात्रा



मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को पंजाब के पंजोला (पटियाला) में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कथा वाचक सीतापाल शास्त्री, संत-महात्मागण और बड़ी संख्या में

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा आत्मा को जागृत करने, जीवन को सही मार्ग दिखाने और समाज में सद्भाव और धर्म की स्थापना का माध्यम है। श्रीमद् भागवत महापुराण को भारतीय संस्कृति का हृदय कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के माध्यम से इसमें जीवन के गूढ़ सत्य, कर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	2-10-26	9	2-7

सीएम ने कृषि मेले में प्रदर्शनी का किया अवलोकन, प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण व जल संरक्षण भविष्य की कृषि का रोडमैप: सैनी

कम पानी में अधिक उत्पादन,
फसल विविधीकरण और
आधुनिक तकनीकों को
अपनाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ► हिंसा

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कपास हरियाणा की महत्वपूर्ण नकदी फसलों है। यह विशेष रूप से सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और आसपास के क्षेत्र में लाखों किसान परिवारों की आजीविका से जुड़ी हुई है। इसलिए इसे हम गर्व से सफेद सोना कहते हैं। हमारे कृषि विश्वविद्यालय और सिरसा स्थित कपास अनुसंधान केंद्र ने नई किस्मों, बेहतर बीज और वैज्ञानिक फसल प्रबंधन में सहायनीय काम किया है। उन्होंने कहा कि आज कपास की खेती के सामने नई चुनौतियां भी हैं। मौसम में तेजी से बदलाव हो



हिसार। कृषि मेले में प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, साथ में हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा, विधायक रणवीर पनहार और विधि के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज। सीएम ने हकूति में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन भी किया।

► कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी : राणा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। राज्य सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने एवं उनकी आय में वृद्धि करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल विविधीकरण के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ तकनीकी और सुविधाएं भी दें। उन्होंने कहा कि किसान भाई भी इस बात को प्राथमिकता दें कि हमारी खेत की मिट्टी, हवा और पानी खराब न हो।

बदलते मौसम और कीटों का बेहतर मुकाबला कर सकें। उन्होंने कहा कि सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संसाधनों का संरक्षण कृषि के भविष्य की खेती की व्यवस्था का रोडमैप भी है। वे गुरुवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का शुभारंभ करने के बाद किसानों, कृषि वैज्ञानिकों एवं



काले कपड़े वालों को नहीं मिली एंट्री

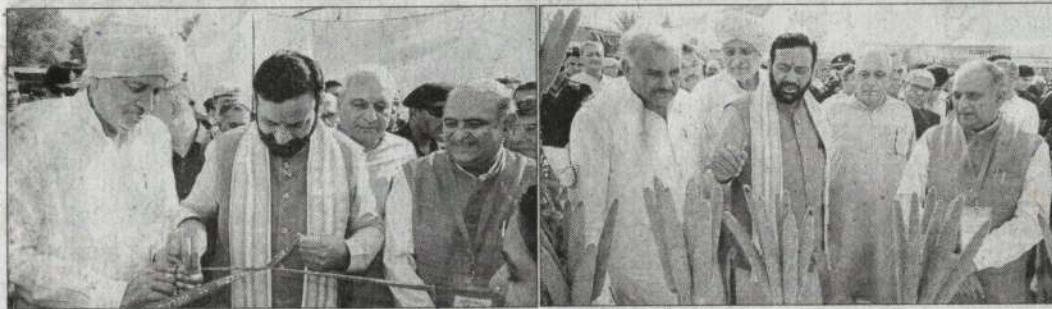
सीएम आगमन के चलते पुलिस ने हकूति परिसर व कृषि मेला ग्राउंड के आसपास नाकाबंदी की हुई थी। पुलिस ने किसानों तथा मेला देखने आए लोगों के वाहनों को मेला ग्राउंड से कई किमी दूर ही रुकवा दिया। उन्हें 2-3 किमी पैदल चलकर मेले में पहुंचना पड़ा। हालांकि सुबह मेला ग्राउंड के आसपास वाहनों की एंट्री जारी थी। जैसे ही ग्राउंड के आसपास वाहनों और किसानों की भीड़ बढ़ने लगी तो पुलिस सख्ती पर उतर आई। पुलिस प्रबंधों को लेकर मेला आयोजकों ने भी नाराजगी व्यक्त की। हकूति में सीएम आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड़ पर रहा। इस दौरान कृषि मेला ग्राउंड पर काले कपड़े पहने किसी भी व्यक्ति को पुलिस ने घुसने नहीं दिया। मेले में स्टॉल लगाने वाले विभिन्न कंपनियों के कुछ प्रतिनिधि काली टी-शर्ट पहने हुए थे। जब उन्होंने मेला ग्राउंड गेट से एंट्री करनी चाही तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। काली शर्ट या टी-शर्ट पहने कई किसानों की जब एंट्री नहीं

कपास की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हरियाणा में कपास की खेती को बढ़ावा देना, किसानों की आय बढ़ाना और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण विश्वविद्यालय की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि कपास के क्षेत्र में विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। उन्होंने देसी कपास के क्षेत्र को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि देसी कपास की अच्छी किस्मों से चुनाई की गुणवत्ता बेहतर होने के साथ-साथ उत्पादन और रेशे की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणवीर सिंह गंगवा, नलवा विधायक रणवीर पनहार, हिसार विधायक सावित्री जंदल, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, लुवांस के कुलपति विनोद कुमार वर्मा, एमएचएच करनाल के

सतत कपास उत्पादन से फसल विविधीकरण व जल संसाधन संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा : मुख्यमंत्री

* मुख्यमंत्री ने कृषि मेले में कृषि प्रदर्शनी का किया अवलोकन * कम पानी में अधिक उत्पादन, फसल विविधीकरण व आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान



हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेला रबी-2026 के दौरान प्रदर्शनी का शुभारम्भ करते हुए। साथ हैं कृषि व किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी. आर कम्बोज। (दाएं) मुख्यमंत्री प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

हिसार, 1 अक्टूबर (विरे द्र वर्मा): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए प्रदेश में ऐसी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है, जिनसे कम पानी और कम संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संसाधनों का संरक्षण आज की खेती की जरूरत ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित कृषि व्यवस्था का

रोडमैप भी है। मुख्यमंत्री वीरवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का शुभारंभ करने के बाद किसानों, कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टालों पर किसानों के लिए प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, कृषि यंत्रों एवं अन्य कृषि उत्पादों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री नायब सिंह

सैनी ने कहा कि कृषि मेला किसानों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान एवं तकनीक के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच है। यहां किसानों को उन्नत रबी बीज, आधुनिक कृषि तकनीक, मशीनरी, फसल प्रबंधन तथा कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध की जानकारी एक ही स्थान पर मिलती है। उन्होंने मेले में प्रदर्शित की गई कपास चुगाई की मशीन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मशीन एक घंटे में एक एकड़ की कपास चुगाई करती है और हाथ से चुगाई के मुकाबले में इसमें समय भी

पहचान करके उनके उत्तम प्रबंधन हेतु अधिक पैदावार लेने के लिए जागरूक किया गया। इसके अलावा, 167 किसान मेलों में कम लागत से कपास उत्पादन करके अधिक मुनाफा कमाने के उपाय बताए गए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि इस योजना के तहत वैकल्पिक फसलें लेने या खेत खाली छोड़ने वाले किसानों को 8 हजार रुपये प्रति एकड़ वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 2 लाख 34 हजार एकड़ में धान की जगह

आधा लगता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कपास की खेती के लिए ऐसे ही उपायों की जानकारी देने के लिए 257 कपास किसान खेत पाठशालाएं आयोजित की हैं। इनमें 7 हजार से अधिक किसानों को कपास के खेत पर ही कपास की बिजाई से लेकर चुगाई तक हानिकारक कीटों की

वैकल्पिक फसलें बोने पर 1 लाख 59 हजार किसानों को 166 करोड़ 34 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी है।

हमारा लक्ष्य कम पानी में अधिक सिंचाई करना है। इसलिए हम वर्षा जल संचयन, ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी माइक्रो इरिगेशन तकनीकों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। माइक्रो इरिगेशन तकनीकों पर 85 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है। किसानों को तालाब बनाने के लिए भी 85 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि हैफेड के माध्यम से प्राकृतिक तरीके से तैयार की गई फसलों को खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि जो ताकत हमारे पुरखों ने हमें दी है, हमें भी प्राकृतिक खेती के माध्यम से वही ताकत हमारे आने वाली पीढ़ियों को देनी होगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 से एक एकड़ तक के किसान को देसी गाय पर मिलने वाली सब्सिडी 30 हजार रुपये कर दी गई है। कच्चे माल के भंडारण व प्रसंस्करण के लिए 4 ड्रम खरीदने हेतु प्रत्येक किसान को 3 हजार रुपये दिए जा रहे हैं।



समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

दिनांक 2-10-26

4

1-8

फसल विविधीकरण और आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान : नायब

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के पास दत्तोपेंठ रोड पर कृषि अखिमा स्थल में लगा मेला

रबी - 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन

माइक्रो इरीगेशन पर 85% तक की जाती है सस्तिडी किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने पर जोर

जलाल नगरपालिका • हरियाणा के नायब सीएम सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन। नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन। नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।



सीएम नायब सेनी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में स्टाल का अवलोकन करते हुए।

45 प्रदर्शनी स्थलों को किया सम्मानित
कपास की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर - श्री. धीरेंद्र कापोज
कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के पास दत्तोपेंठ रोड पर कृषि अखिमा स्थल में लगा मेला। नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।



सीएम नायब सेनी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मेले में रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।

80 हजार किसान पहुंचे
कैप्टी बरना सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।

बोते-कृषि मेला ज्ञान व तकनीक के आदान-प्रदान का मंच
हरियाणा के नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन। नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।

सीवरज ट्रीटमेंट प्लांट के शोधित पानी को सिंचाई में प्रयोग करने की जरूरत
हरियाणा के नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन। नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।



सीएम नायब सेनी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में स्टाल का अवलोकन करते हुए।

बिना मिलावट के नौ किस्म का शहद, फूलों के अनुसार बदलता है स्वाद
हरियाणा के नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन। नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।



सीएम नायब सेनी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में स्टाल का अवलोकन करते हुए।

पराली को जमीन में मिलाएगा एचएयू का बायो डी-कंपोजर

जलाल नगरपालिका • हरियाणा के नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन। नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।



सीएम नायब सेनी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में स्टाल का अवलोकन करते हुए।

एसे तैयार करें पराली के लिए घोल
हरियाणा के नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन। नायब सीएम नायब सेनी ने रबी 2026 प्रदर्शनी के पहले दिन वतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम नायब सेनी, स्टालों का किया अवलोकन।

सीएम नायब सेनी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में स्टाल का अवलोकन करते हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जति समाचार	2-10-26	10	1-9

कृषि मेले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर : मुख्यमंत्री

हिसार, 1 अक्टूबर (विन्ड न्यूज़) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (एबी) का शुभारंभ करने के बाद मुख्यमंत्री नारायण सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से कुलसंशोधन में 2 हजार एकड़ के कालांतर पर स्वतंत्र एकीकरण नाम से प्राकृतिक खेती शुरू की जाएगी। इसमें यदि किसानों को किसी प्रकार का नुकसान होगा तो उसकी भावना हरियाणा सरकार करेगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा कुलसंशोधन के तहत सोलस पैर करने के लिए किसानों को 75 मिलन अनुदान दिया जाता है। जब तक 1 लाख 95 हजार 653 सोलस पैर स्थापित किए जा चुके हैं। इसी तरह से किसान अनाज प्रबंधन से कमाने की क्षमता पर लक्षित करने की 50 प्रतिशत अनुदान पर 177 हजार किसान अनाज प्रबंधन

उपकरण व कालांतर सेक्टर पर 80 प्रतिशत सन्निधि देकर 6 हजार 794 सेक्टर स्थापित किये गये। इन पर अब तक 1 हजार 17 करोड़ रुपये की सन्निधि दी गई है। पन्ना के जलित प्रबंधन और पाठ करने के लिए 1200 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया है। 10 लाख किसानों को 909 करोड़ रुपये की राशि सन्निधि के रूप में दी जा चुकी है। सन्निधियों व फलों के लिए भावांतर भावार्थ योजना में 21 बाबाजी फसलों के संशोधन मूल्य निर्धारित किए। अब तक 46 हजार किसानों को 247 करोड़ रुपये का भावांतर दिया गया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रमण सिंह राणा ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। अन्य सरकार किसानों को उत्पन्न करने एवं उनकी आय में वृद्धि करने के लिए अत्यधिक से अधिक लाभ उत्पन्न कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने के लिए आगे आना



मुख्यमंत्री नारायण सिंह सैनी, हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेला रबी-2026 के दौरान प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करने के उपरान्त समूह चित्र में। साथ में हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रमण सिंह राणा, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर जंगवा, विधायक रणधीर पणिहार और सवित्री जिंदल, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. कम्बोज व अन्य गणमान्य तथा (दाएँ) उपस्थिति को सम्बोधित करते हुए।



हिसार किसानों को सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। उन्होंने देशी कपास के क्षेत्र को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि देशी कपास की अच्छी किस्मों से पुनर्बाई की गुणवत्ता बेहतर होने के साथ-साथ उत्पादन और रस्ते की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा

अनाज प्रबंधन, प्लाज्मा उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, डेजरी फार्मिंग, नपुनस्त्री पालन तथा नैपुआ खाद्य सहाय विभिन्न क्षेत्रों में उत्प्रेक्षणीय कार्य करने वाले 50 मुख्य एवं 15 महिला किसान सम्मानित रहे। मुख्यमंत्री ने सभी सम्मानित किसानों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके प्रयासों को साहजन की। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में वैश्विक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में योगदान को मुख्यमंत्री नारायण सिंह सैनी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में दीनदयाल उपाध्याय वैश्विक खेती उत्कृष्टता केंद्र का भी उद्घाटन किया। लगभग 9.94 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुए इस अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र का मुख्य ज्येष्ठ किसानों को वैश्विक खेती की आधुनिक तकनीकों, अनुसंधान और प्रशिक्षण में जोड़ने है। जब केंद्र प्रदेश के किसानों को सत्यन-मुक्त खेती

अपनाने, मिट्टी की उर्वरा में सुधार करने और उत्तम गुणवत्ता वाली वैश्विक फसलों के उत्पादन में मार्गदर्शन प्रदान करने में मील का खंभर साबित होगा। स अबसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह जंगवा, नरेशा विधायक रणधीर पणिहार, हिसार विधायक सावित्री जिंदल, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, तुलसी के कुलपति विनोद कुमार वर्मा, एसएसपी कानन के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्लोहा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक अमित खन्ने, हिसार शिक्षा निदेशक नरेश चौहान, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, महापौर प्रवीण पोपली, हिसार जिलाध्यक्ष आशा खेरू, उपमुख्य मंत्री पाल, पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, जल निगम आयुक्त सी. यशवन्त, अतिरिक्त उपमुख्य शास्त्री नील, हिसार एसडीएम ज्योति मितल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी व किसान उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2-10-21	5	3-8

कृषि मेला शुरू • उद्घाटन में पहुंचे सीएम नायब सैनी, जल बचाने के लिए गेहूं-धान चक्र से हटकर दलहन-तिलहन की खेती पर जोर प्राकृतिक खेती के लिए 3 लाख एकड़ का रजिस्ट्रेशन हुआ

भास्कर न्यूज़ | हिसार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुल्जार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने ऐसी फसलों को बढ़ावा देने के लिए मेरा पानी-मेरी विरासत योजना चलाई हुई है। इस योजना के तहत वैकल्पिक फसलें लेने या खेत खाली छोड़ने वाले किसानों को 8 हजार रुपए प्रति एकड़ वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 2 लाख 34 हजार एकड़ में धान की जगह वैकल्पिक फसलें बोने पर 1 लाख 59 हजार किसानों को 166 करोड़ 34 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी है। मिट्टी के स्वास्थ्य की जांच करके 1 करोड़ 6 लाख सॉकल हेल्थ कार्ड जारी किए हैं। प्रदेश में मिट्टी के नमूनों की जांच के लिए 17 नई मुद्रा एवं जल परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। विभिन्न मॉडलों में भी 54 नई लघु मुद्रा परीक्षण प्रयोगशालाएं खोली गई हैं। स्कूलों व कॉलेजों में 240 लघु मुद्रा परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक पोर्टल भी शुरू किया है। इस पोर्टल पर करीब 2 लाख किसानों ने 3 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है। इसमें से अब तक 44 हजार एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए 23 हजार 930 किसानों का सत्यापन किया जा चुका है।



हिसार। एचएयू में कृषि मेला रबी के उद्घाटन समारोह में पहुंचे सीएम नायब सिंह सैनी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, नलवा विधायक रणधीर पनीहर, हिसार विधायक सावित्री जितल, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, लुवांस के कुलपति विनोद कुमार वर्मा, एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा, कृषि विभाग के निदेशक अमित खत्री, मेयर प्रवीण पोपली उपस्थित थे।



मेले में पहले दिन 80 हजार किसान पहुंचे

कृषि मेले के पहले दिन में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के लगभग 80 हजार किसानों ने भाग लिया। किसानों ने मेले के पहले दिन उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। दो दिवसीय मेले के पहले दिन के 1 करोड़ 83 लाख 50 हजार 390 रुपए के बीज, पौध, कृषि साहित्य व अन्य उत्पादों की बिक्री हुई।

कृषि वैज्ञानिक किसानों को प्रोत्साहन देने के साथ तकनीक और सुविधाएं भी दें : राणा

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की धुरी है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे फसल विविधीकरण के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ तकनीक और सुविधाएं भी दें। किसान भी इस बात को प्राथमिकता दें कि हमारे खेत की मिट्टी, हवा और पानी खराब न हो।



एचएयू में जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करते सीएम नायब सैनी।

सीएम ने किया जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एचएयू परिसर में लगभग 9.94 करोड़ रुपए की लागत से बने अत्याधुनिक दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का

भव्य उद्घाटन किया। यह केंद्र किसानों को रसायन-मुक्त खेती, आधुनिक अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण देने में मील का पत्थर साबित होगा।

कृषि मेले में देसी कपास की नई किस्मों को बढ़ावा

कृषि मेले के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने देसी कपास की खेती को बढ़ावा देने और इसकी पैदावार बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। एचएयू द्वारा विकसित 'एचएयू बीटी-12' और 'एचएयू बीटी-13' जैसी उन्नत किस्में किसानों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। इन किस्मों की बेहतर उत्पादन क्षमता और उत्कृष्ट रेशों की गुणवत्ता से किसानों को बंपर मुनाफा होगा।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किसानों को सलाह दी कि कपास

एक लंबी अवधि की फसल है, इसलिए इसमें साध मृग का अंतःफसलीकरण करके अतिरिक्त आय कमाई जा सकती है। इसके अलावा, रेतीली भूमि वाले क्षेत्रों में ट्रिप सिंचाई और फर्टिगेशन पद्धति अपनाने से पानी और उर्वरकों का बेहतरीन उपयोग संभव है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय हर वर्ष लगभग 25,000 किबटल प्रमाणित बीज तैयार कर रहा है और जल्द ही किसानों की सुविधा के लिए बीज की ऑनलाइन बुकिंग शुरू की जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	2-10-26	4	1-3

अमर उजाला

प्राकृतिक खेती अपनाएं किसान, घाटे की पूर्ति सरकार करेगी : सैनी

■ सीएम ने कृषि मेले का किया उद्घाटन, 45 प्रगतिशील किसान सम्मानित किए ■ बोले- कपास व गन्ना उत्पादक किसानों को उपलब्ध करवाएंगे आधुनिक मशीनें

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान करते हुए आह्वान किया कि इसमें नुकसान होता है तो भरपाई सरकार करेगी। सीएम सैनी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में वीरवार से शुरू हुए दो दिवसीय कृषि मेले के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

सीएम ने प्रदेश में कपास व गन्ने की बिजड़ी घटने पर चिंता जताई और कहा कि किसानों को इन फसलों के लिए आधुनिक मशीनें उपलब्ध करवाई जाएंगी ताकि लागत कम हो सके। समारोह में प्रदेश भर के 45 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। मेला स्थल पर मुख्यमंत्री ने किसानों को संबोधित करते कहा कि प्राकृतिक खेती की उपज को सरकार खरीदेगी और इसमें घाटा होता है तो भरपाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आज एचएयू में दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया है ताकि किसान इससे जुड़े और खेती में बेतहाशा उर्वरक-दवा का इस्तेमाल न करें। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कुकुबेज में 2 हजार एकड़ का क्लस्टर तैयार कर रहे हैं। कुरबेज, जौद, झरझर व कारनाल में चल रहे केंद्रों में किसानों को प्राकृतिक खेती का परिचय दे रहे हैं। प्राकृतिक खेती से तैयार अनाज की खरीद की जिम्मेदारी हैफेड की होगी। किसानों को एक-दो साल पाटा होता है तो चिंता न करें।



हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वीरवार को शुरू हुए दो दिवसीय कृषि मेले में किसानों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। साथ में कृषि मंत्री रयाम सिंह राणा व अन्य। संवाद



सीएम ने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक भूमि की कमी के कारण कपास की खेती लगातार कम हो रही है। किसानों को नई तकनीक व मशीनरी से अवगत करवाना चाहिए। कपास की चुगाई के लिए नई मशीनरी के उपयोग से हम आगे बढ़ सकते हैं। इस मेले में कपास की बिजड़ी से लेकर चुगाई तक की मशीनें आई हैं। इनकी व्यवस्था सरकार करेगी ताकि किसान को कोई परेशानी न आए। यह मशीनें एक घंटे में एक एकड़ क्षेत्र में चुगाई कर लेती हैं। इसमें श्रमिक की तुलना में आधा खर्च आएगा।

मशीनों से बचेगी लागत

शुगर मिलों को गन्ने की छिलाई की मशीनें रखने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ने को लेकर अधिकारियों ने श्रमिकों की समस्या का जिक्र किया था। गन्ने की छिलाई की दो मशीनें आ चुकी हैं।

■ शुगर मिलों को एक-एक मशीन रखने को कहा है। वह मशीनें किसान को उपलब्ध हो जाती हैं तो उससे काफी लाभ होगा और बिजड़ी क्षेत्रफल भी बढ़ेगा।

एचएयू ने विकसित की सफेद प्याज की नई किस्म एचओ-8

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सफेद प्याज की नई किस्म एचओ-8 विकसित की है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसके तहलवान ने बताया कि साल प्याज की पौध 60 दिन में तैयार होती है लेकिन यह 45 दिन में तैयार होगी। इसे 30 से 45 दिन तक स्टोर किया जा सकता है।

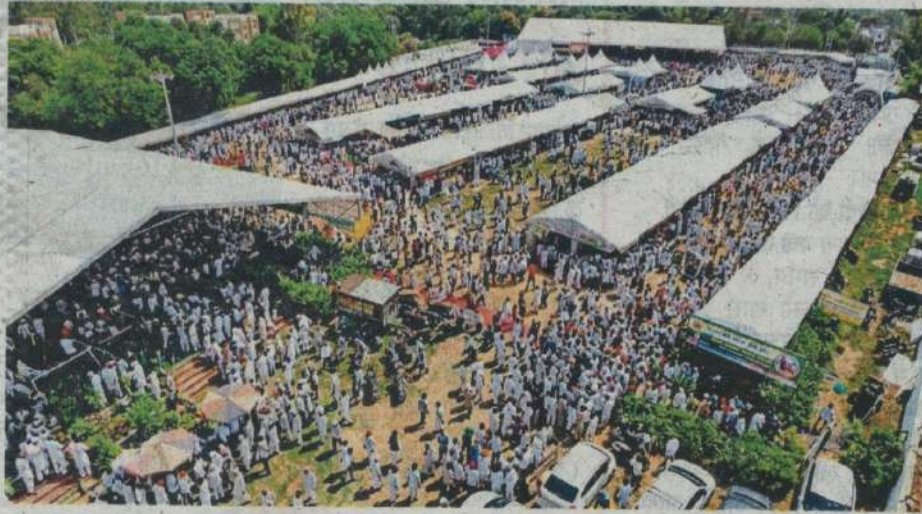
धनिया की नई किस्म डीएच-228 विकसित की

अजयवाइन की नई किस्म एचएजे-7 भी विकसित की है। सफेद प्याज की पौध नवंबर-दिसंबर में लगा सकते हैं। धनिया की नई किस्म डीएच-228 विकसित की है। इसको उपज पर लागत काफी कम आती है। संवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देहि के जागरण	2-10-26	1	1-2



कृषि मेले में उमड़ी भीड़

हकूवि में मेले (रबी) का शुभारंभ हुआ। प्रदेश भर से 80 हजार किसान मेला देखने पहुंचे • जागरण संवर्धित समाचार पेज -IV